Kasiसार

COVERAGE
Dossier

CONCEPT PR

`

Article Date	Headline / Summary	Publication	Journalist
4 Jan 2022	'Kashi revamp shows govt's will for holistic devpt of cities'	Times of india	Bureau
4 Jan 2022	kashi: 'kashi Revamp Exhibits Govt's Will For Holistic Devpt Of Cities'	The times of truth	Bureau
4 Jan 2022	काशीसार-आर्किटेक्ट्स मीट : ऐतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर हुई चर्चा, हिस्ट्री और ट्रेडिशन को टेक्नोलॉजी से जोड़कर डेवलपमेंट पर दिया गया जोर	Live vns	Bureau
4 Jan 2022	काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी	Cmg times	Bureau
4 Jan 2022	काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी	Daily hunt	Bureau
4 Jan 2022	काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी	Samar saleel	Bureau
4 Jan 2022	काशी सार वास्तुकार समागम: राज्यों से आए काउंसिल आफ आर्किटेक्ट के सदस्य, समृद्ध परंपरा से अवगत हुए छात्र	Jagran	Abhishek Sharma
4 Jan 2022	काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी	News lab 24	Bureau
4 Jan 2022	शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हुई परिचर्चा, CM योगी के काम को सराहा गया	Asia net news	Bureau
4 Jan 2022	शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हुई परिचर्चा, CM योगी के काम को सराहा गया	Daily hunt	Bureau
4 Jan 2022	काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी	Edge express	Bureau
4 Jan 2022	काशीसार-आर्कीटेक्ट्स मीट होगा बनारस में	Tarun mitra	Bureau

Amar Ujala

वास्तुविदों ने किए बोधिवृक्ष के दर्शन

बीएचयू में दो दिवसीय आर्किटेक्चरल मीट का समापन, सारनाथ गए वास्तुविद

संवाद न्यूज एजेंसी

वाराणसी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की ओर से आयोजित दो दिवसीय आर्किटेक्चरल मीट काशी-सार के अंतिम दिन वास्तुविदों ने सारनाथ पहुंचकर यहां पुरातात्विक खंडहर को देखा। इसके साथ ही मूलगंध कुटी बिहार में बोधि वृक्ष के दर्शन भी किए। इससे पहले सुबह देश के विभिन्न जगहों से आए वास्तुविदों ने काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद यहां वास्तुकला को भी देखा। वास्तुविदों के दल का नेतृत्व वंदना सहगल ने किया।

सारनाथ में घूमने गए वास्तुविद। अमर उजाला

हमारी जिम्मेदारी है कि अपने इतिहास के बचे धरोहरों को संजोकर रखें। सारनाथ घूमकर काफी अच्छा लगा। साथ ही इतिहास से जुड़ने का मौका भी मिला।-विजय उप्पल, हिमाचल प्रदेश

काशी विश्वनाथ धाम में पुरातन कला को नया आयाम दिया गया है। सारनाथ स्थल हमारे पूर्वजों के विस्तार वादी सोच को दर्शाता है। हमें धरोहरों को संजो कर रखना होगा।-तेजस्वी मिरजकल, महाराष्ट्र

Activate Window

Amar Ujala

काशी में मूर्त-अमूर्त दोनों धरोहरें : जतिन

एकेटीयू के ऑर्किटेक्चरल मीट काशी-सार को प्राविधिक शिक्षा मंत्री ने ऑनलाइन किया संबोधित

संवाद न्यूज एजेंसी

वाराणसी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की ओर से आयोजित दो दिवसीय आर्किटेक्चरल मीट काशी-सार का सोमवार को उद्घाटन हुआ। इस दौरान वक्ताओं ने काशी विश्वनाथ धाम के प्रोजेक्ट और इससे जुड़े कार्यों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि काशी में मूर्त और अमूर्त दोनों प्रकार की धरोहरें हैं। इसके बारे में जानकारी के साथ ही इसका संरक्षण करना सभी की जिम्मेदारी है।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पर्यटन मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि पीएम के दिशा निर्देश में सीएम योगी आदित्यनाथ ने काशी के नव निर्माण के लिए जो योगदान किया किया है वह युगों-युगों तक याद किया जाएगा। एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनीत कंसल ने कहा कि एकेटीयू से संबद्ध 750 विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरु सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। काउंसिल आफ आर्किटेक्चर की उपाध्यक्ष सपना और प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा यूपी अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

आर्किटेक्चरल मीट का उद्घाटन करते डॉ. नीलकंठ तिवारी। अमर उजाला

प्रदर्शनी में दिखाई शहरों की ऐतिहासिकता

एकेटीयू वास्तु कला संकाय की अधिष्ठाता डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों के ऊपर बनाए अपने कई रंगचित्र प्रदर्शित किए। इस दौरान डॉ. अमोघ गुप्ता, केटी रविंद्रन, विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा यूपी सुनील चौधरी आदि ने भी अपनी बात रखी। चार जनवरी को विशेषज्ञ व विद्यार्थी काशी विश्वनाथ धाम, सारनाथ व कुछ अन्य परियोजनाओं का भ्रमण कर उसकी बारीकी भी जानेंगे।

Amar Ujala

भावी इंजीनियर देखेंगे-जानेंगे विश्वनाथ कॉरिडोर का काम

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी/लखनऊ। राज्यपाल आंनदीबेन पटेल के दीक्षांत समारोह में दिए गए सुझाव के क्रम में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने अपने विद्यार्थियों के लिए एक नई पहल शुरू की है। जिसके तहत भावी इंजीनियर विश्वनाथ कॉरिडोर समेत केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं को देखेंगे और वहां प्रयोग की गई तकनीकी के बारे में भी जानेंगे।

इस क्रम में विश्वविद्यालय की ओर से बनारस में दो दिन के काशी सार का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत तीन जनवरी को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में 'रिजुनवेशन ऑफ कल्चरल एंड हिस्टोरिकल सिटीज' आर्किटेक्चरल मीट का आयोजन किया गया है। इसमें देश भर के आर्किटेक्ट व आर्किटेक्चर काउंसिल के अध्यक्ष व प्राविधिक शिक्षा से जुड़े हुए विशेषज्ञ शिरकत करेंगे। कुलपति प्रो. विनीत कंसल ने

दो दिवसीय काशीसार आर्किटेक्ट्स मीट का शुभारंभ आज से

वाराणसी में होगी सांस्कृतिक और एतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर विशेष चर्चा

बताया कि प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर के कॉलेजों से 150 से अधिक विद्यार्थी भी शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद रहेंगे और सत्र के शुभारंभ में वर्चुअल संबोधन करेंगे।

Hindustan

काशी का विकास प्राचीन शहरों के लिए आदर्श

काशीसार-आर्किटेक्ट मीट

वाराणसी | मुख्य संवाददाता

देशभर के आर्किटेक्ट ने सोमवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन सभागार में प्राचीन सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में पुनर्विकास और नियोजन के संबंध में मंथन किया। काशी विश्वनाथ धाम यात्रा के तहत आयोजित दो दिनी 'काशीसार-आर्किटेक्ट मीट' के शुभारम्भ पर पर्यटन व धर्मार्थ कार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि पीएम के निर्देशन और सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में काशी में होने वाले विकास कार्य उनकी और सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। ये कार्य प्राचीन शहरों के विकास में आदर्श साबित हो सकते हैं।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में सोमवार से शुरू हुए आर्किटेक्ट मीट में राज्यमंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। ● हिन्दुस्तान

एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनीत कंसल ने कहा कि एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों के छात्र व उनके शिक्षकों की सोच को व्यावहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं। प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि सभी ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए इससे जुड़े लोगों से विचार-विमर्श के बाद जल्द ही एक खाका तैयार होगा।

एकेटीयू लखनऊ में वास्तु कला संकाय की डीन डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों पर बनाए अपने रंगचित्र का प्रजेंटेशन दिया।

> शहरों में भीड़ हो गई है, जिससे जीवनशैली में भी बदलाव होंगे। पुराने शहरों को आधुनिक करने की जरूरत है। -वंदना सहगल, एकेटीयू लखनऊ

> देश में इतिहास व परंपरा को टेक्नोलॉजी से जोड़कर विकास की राह मजबूत की जा रही है। पहले प्लानिंग इंजीनियर लेवल पर ही होती थी। -अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव- प्राविधिक शिक्षा

आज विकास का प्रजेंटेशन

समागम में मंगलवार को प्रो. केटी रवींद्रन, प्रो. राणा पीबी सिंह, अलका पांडेय व डॉ. पुष्पेश पंत काशी के बारे में विशेष जानकारियां देंगे। आर्किटेक्ट जेएम कार्तिकर अमृतसर के नवनिर्माण के बारे में बताएंगे। चर्चा सत्र के बाद कार्यक्रम का समापन दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती के साथ होगा। सम्मेलन में आए लोग काशी विश्वनाथ धाम व सारनाथ भी जाएंगे।

उन्होंने पंचक्रोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि मूर्त और अमूर्त धरोहर का सचेत अनुभव वाराणसी में आकर ही हो सकता है।

मंत्री ने दी शुभकामनाः प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद वर्चुअल कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दो दिनी सम्मेलन में आने वाले सुझाव धरातल पर उतारे जाएंगे। इस मौके पर प्राविधिक शिक्षा के विशेष सचिव सुनील चौधरी व काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर के अध्यक्ष हबीब खान भी रहे। सभागार में विश्वनाथ धाम और छात्रों की ओर से अयोध्या के वास्तुशिल्प पर भी प्रदर्शनी लगाई गई है।

Dainik jagran

काशी में धरोहरों का हुआ विकास : नीलकंठ

बीएचयू में दो दिवसीय **काशी सार** का उद्घाटन, काशी की प्राचीनता व ऐतिहासिकता पर विस्तार से चर्चा

जागरण संवाददाता, वाराणसी : प्रदेश के पर्यटन, धर्मार्थ व प्रोटोकाल राज्यमंत्री डा. नीलकंठ तिवारी ने कहा है कि काशी का विकास मील का पत्थर साबित होगा। यहां के प्राचीन ऐतिहासिक व धार्मिक धरोहरों का विकास पिछले चार वर्षों में बहुत ज्यादा है। आज काशी के कुंड, तालाब व अन्य धरोहर अपने नए व सुरक्षित रूप में हैं।

डा. नीलकंठ ने ये बातें सोमवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित दो दिवसीय वास्तुकार समागम 'काशी सार' का उद्घाटन करते हुए बतौर विशिष्ट अतिथि कहीं। एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय की आर्किटेक्चर व प्लानिंग फैकल्टी के तत्वावधान में 'यूपी के सांस्कृतिक व ऐतिहासिक शहरों के कायाकल्प' विषयक वास्तुकार समागम में उन्होंने काशी की प्राचीनता व ऐतिहासिकता का उल्लेख करते हुए यहां के विकास की चर्चा की। कहा कि काशी का विकास पीएम नरेंद्र मोदी की प्रेरणा व योगदान से हो रहा है। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में काशी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की चर्चा करते हुए कहा कि 440 करोड़ की लागत में कारिडोर का निर्माण स्वयं में एक उदाहरण है।

इसके साथ ही धार्मिक व ऐतिहासिक-पौराणिक धरोहरों का विकास देखा जा सकता है। प्रदेश सरकार ने काशी के कुंडों व तालाबों का जीर्णोद्धार कर भारतीय सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहरों को संरक्षण प्रदान किया है। मुख्य अतिथि प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद ने वर्चुअल संबोधन में काशी में हो रहे विकास कार्यों व श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की चर्चा की। स्वागत भाषण में एकेटीयू के कुलपति विनीत कंसल ने वैज्ञानिक सोच को कार्य के धरातल पर उतारे जाने की चर्चा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय से संबद्ध 750 विद्यालयों के छात्र व शिक्षक वैज्ञानिक सोच को धरातल पर उतारने के लिए कटिबद्ध रहेंगे।

काउंसिल आफ आर्किटेक्चर की उपाध्यक्ष सपना ने सांस्कृतिक विरासतों के महत्व के बारे में बताया। कहा कि सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासतों के संरक्षण के लिए जन जागरूकता जरूरी है। प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा अमृत अभिताभ ने कहा कि ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन प्रतिबद्ध है। इसके लिए ऐतिहासिक शहरों के विकास के हितचिंतकों का विचार भी शामिल किया जाएगा। इस तरह के अन्य आयोजन भी इसी संदर्भ में किए जाएंगे। वास्तु कला संकाय के अधिष्ठाता वंदना सहगल ने अपनी वाराणसी यात्रा के संदर्भ में अनेक चित्र प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचक्रोशी यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि यात्रा मार्ग में बहुत-सी मूर्त और अमूर्त धरोहरें हैं। उनका सचेत अनुभव यात्रा-पथ पर जाकर ही किया जा सकता है। प्राविधिक शिक्षा के विशेष सचिव सुनील चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

वास्तुकार समागम

- 750 विद्यालयों के छात्र व शिक्षक वैज्ञानिक सोच उतारेंगे जमीन पर
- विरासतों के संरक्षण के लिए जन जागरूकता अत्यंत जरूरी

बीएचयू में काशी सार का उद्घाटन करते पर्यटन मंत्री डा. नीलकंठ तिवारी •जागरण

एक परिसर में पल-पल परिवर्तित दिखा विश्वनाथ धाम

जासं, वाराणसी : श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के अवसर पर प्रदेश सरकार की ओर से सोमवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में दो दिवसीय वास्तुकार समागम का शुभारंभ पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी ने किया। प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद ने आनलाइन रहकर कार्यक्रम की सराहना की। इसमें काशी की समृद्ध परंपरा को संजोए और परिवर्तित होते विविध स्वरूपों पर आधारित आर्किटेक्ट डा. विमल पटेल के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। डा. पटेल ने आनलाइन समागम में मौजूद वास्तुकला छात्र-छात्राओं को चित्रों की बारीकियां बताईं।

मुख्य समन्वयक वास्तुकला संकाय, एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ वंदना सहगल ने बताया कि कार्यक्रम में देश भर से वास्तुकार एवं वास्तुकला विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है। समागम का ध्येय काशी के नवनिर्माण को विशेषज्ञों एवं छात्रों के समक्ष प्रस्तुत करना है। बाकी जो शहर हैं, उसके बारे में मंथन करना है। बताया कि देश के सभी कोनों से आर्किटेक्ट को बुलाया गया है, जिसकी मौजूदगी में काशी की प्राचीन परंपरा को बताया गया। काशी दुनिया भर में अपनी समृद्ध पहचान के लिए जानी जाती है। इस कार्यक्रम को यूट्यूब पर देश और दुनिया के लोगों ने भी देखा और सराहा। काशी में कैसे परिवर्तन हुआ है उसकी पूरी जानकारी चित्रों में है। वंदना सहगल ने कहा कि आर्किटेक्ट ऐसा विषय है जिसका हर दौर में मांग रहा है।

आर्किटेक्ट डा. विमल पटेल ने आनलाइन ही प्रदर्शनी में लगे दर्जनों चित्रों के बारे में बताया। कहा, काशी की परंपरा वास्तुकला में भी काफी समृद्ध रही है। चित्रों में आम नागरिकों की समस्याओं से लेकर और बढ़ती जनसंख्या को बखूबी उभारा गया है। **चित्रों में दिखी समृद्ध और परिवर्तित काशी** : समागम में लगी चित्रों की प्रदर्शनी में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के इर्द-गिर्द संकरी गलियां व घनी आबादी में एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करते हुए श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी ही मुश्किल से बाबा दरबार जाकर दर्शन-पूजन करने का दृश्य उभारा गया है।

गंगा की ओर के साथ ही गोदौलिया-चौक मार्ग की तरफ से भी बाबा धाम की भव्यता चित्रों में दिखाई दे रही है। वर्तमान दृश्य लोगों को देखने और राहत देने वाला प्रतीत हो रहा है। कुछ चित्रों में पहले गंगा के ललिता घाट, और मणिकर्णिका घाट के पूर्व और वर्तमान हालात को बड़ी ही बारीकी से उभारने का प्रयास किया गया है।

- राज्यों से आए काउंसिल आफ आर्किटेक्ट के सदस्य, समृद्ध परंपरा से अवगत हुए छात्र-छात्राएं
- आज करेंगे श्रीकाशी विश्वनाथ का दर्शन, सारनाथ भी पहुंचकर प्राचीन धरोहरों से कराएंगे परिचित

आज काशी की समृद्ध परंपरा को निहारेंगे

वंदना सहगल ने बताया कि काउंसिल आफ आर्किटेक्ट के सभी सदस्य यहां आए हुए हैं। इस काउंसिल में कम से कम देश के हर राज्य से एक लोग होते हैं। इस प्रकार 52 लोग आए हुए हैं। मंगलवार को काशी और सारनाथ स्थित प्राचीन धरोहरों को देखा जाएगा, साथ ही उसकी समस्त जानकारी ली जाएगी। साथ में छात्र-छात्राओं को इसके बारे में बताया जाएगा। काशी विश्वनाथ धाम का दर्शन भी करेंगे।

Dainik jagran

एतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर मंथन

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक व एतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर काशी में तीन व चार जनवरी को 'काशी सार : आर्किटेक्ट्स मीट' होने जा रही है। सुबह साढ़े नौ बजे बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में कार्यक्रम का उद्घाटन होगा। इसमें देश भर से आर्किटेक्टों की जुटान होगी। इस आयोजन में सांस्कृतिक और एतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर मंथन किया जाएगा। दो दिवसीय आयोजन की मेजबानी डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय की आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग फैकल्टी करेगी। बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद वर्चुअल संबोधन से सत्र का शुभारंभ करेंगे। स्वागत भाषण डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति विनीत कंसल करेंगे। मुख्य भाषण काउंसिल आफ आर्किटेक्चर के अध्यक्ष आर्किटेक्ट हबीब खान व एकेटीयू की आर्किटेक्चर फैकल्टी की डीन डा. वंदना सहगल देंगी। आर्किटेक्ट विमल पटेल द्वारा क्यूरेट की गई काशी के कायाकल्प पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया जाएगा। (जासं)

Dainik jagran

सारनाथ में पुरातात्विक खंडहर परिसर का भ्रमण करते वास्तुविद ■ जागरण

स्मारकों की ऐतिहासिकता को जाना

जागरण संवाददाता वाराणसी : डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित 'काशी सार' कार्यक्रम में आए वास्तुविदों ने मंगलवार को भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ के संग्रहालय में राष्ट्रीय चिह्न की चमक देख कर अभिभूत हो गए।

साथ ही पुरातात्विक खंडहर परिसर में स्मारकों की ऐतिहासिकता से भी रू-ब-रू हुए। विभिन्न प्रदेशों से आए 130 सदस्यीय दल वास्तुविद वंदना सहगल के नेतृत्व में सारनाथ पुरातात्विक खंडहर परिसर पहुंचे। धर्मराजिका स्तूप, धमेख स्तूप, अशोक की लाट सहित अन्य स्मारकों की ऐतिहासिकता की जानकारी देवेश अग्रवाल ने उन्हें दी। इसके बाद मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर व बोधि वृक्ष को भी देखा। इससे पूर्व वास्तुविदों के दल ने श्रीकाशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया। वंदना ने कहा कि काशी प्राचीन सांस्कृतिक व धार्मिक नगरी है। यहां स्मारकों को अब भी संरक्षित रखा गया है।

Aj

समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है काशी का नवनिर्माण-नीलकंठ तिवारी

श्री काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्याके वास्तुशिल्प की लगायी गयी प्रदर्शनी

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में सोमवार को आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर चर्चा किया। विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉक्टर नीलकंठ तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं। एकेटीयू के वाइस चांसलर प्रोफेसर विनीत कंसल ने वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने के बारे में चर्चा की। प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को समाहित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना साझा की। एकेटीयू लखनऊ के वास्तु कला संकाय की संकाय प्रमुख डॉक्टर वंदना सहगल ने कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है। मध्य भाषा विज्ञान भारती के अध्यक्ष डाक्टर अमीष गुप्त ने कहा कि वैज्ञानिकों के लिए एक संग्रहालय उज्जैन में बनाने की योजना चल रही है जो शायद देश में पहला होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा जितिन प्रसाद ने दूरस्थ माध्यम से अपनी शुभकामनाएं भेजी। विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा सुनील चौधरी ने एकेटीयू एवं आईआईटी बीएचयू को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर श्री काशी विश्वनाथ धाम के वास्तुशिल्प और छात्रों द्वारा अयोध्या के अध्ययन के वास्तुशिल्प की भी प्रदर्शनी लगाई गयी।

Rashtriya sahara

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास का प्रतीक

वाराणसी (एसएनबी)। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण परबीएचयू के स्वतंत्रता भवन में सोमवार को परिचर्चा हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधितकरते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डा. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता को रेखांकित किया। कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेशसरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

एकेटीयू के कुलपति प्रो.विनीत कंसल ने वैज्ञानिक सोधको धरातलपर होने वाले कार्य से जोड़ने पर बल दी। उन्होंने कहाकि हम एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरुओं की सोध को व्यावहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध है। प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिवअमृतअभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को सम्मिलित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना भी साझा की।

एकेटीयू लखनऊ के वास्तुकला संकाय की डीनडा. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों पर बनाए अपने सचित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने पंचकोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है।

स्व.भारतविज्ञानभारती के अध्यक्ष डा.अशोक गुप्ता ने कहा कि ज्ञान को संचित करके लिपिबद्ध करके जनसुलभ करने पर वह विज्ञान हो जाता है। कहा कि वैज्ञानिकों के लिए एक संकलन उनके नामों वालों की योजना चलाते हैं, जो संभवतः देश में पहला होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा जितिन प्रसाद ने दूरस्थ माध्यम से अपनी शुभकामनाएं भेजी। विशेष सचिव, प्राविधिक शिक्षा सुनील चौधरी ने एकेटीयू एवं आईआईटी बीएचयू को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर श्री काशी विश्वनाथ धाम के वास्तुशिल्प और छात्रों द्वारा अयोध्या के अध्ययन के वास्तु शिल्प की भी प्रदर्शनी लगाई गई है।

पीएम मोदी के दिशा-निर्देश में सीएम योगी ने किए प्रतिबद्ध प्रयास : डा. नीलकंठ तिवारी

ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में परिचर्चा

श्री काशी विश्वनाथ धाम व अयोध्या अध्ययन के वास्तुशिल्प की लगी प्रदर्शनी

विशेषज्ञों से बातचीत

'शहरों में भीड़ हो गई है, जीवनशैली में बदलाव होंगे। पुराने शहरों को आधुनिक करने की जरूरत है। सरकार ने बहुत सहयोग किया है और ये अच्छी पहल है। सम्मेलन में देश के विभिन्न शहरों के वास्तुशिल्प केबारे में चर्चा होगी। इसमें धरोहरों केबारे में बात होगी। धार्मिक, सांस्कृतिक एवं परंपराओं के बारे में हर शहर कुछ कहता है। शहर के मूल स्वरूप को कायम रखते हुए विकास कैसे हो, इस पर चर्चा हो रही है। काशीकी धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यताओं को जानने व समझने केलिए काशी में कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम में शामिल सभी वास्तुविद, छात्र व बुद्धिजीवी श्री काशी विश्वनाथ धाम दर्शन केबाद वहां की वास्तुशिल्प को देखेंगे व समझेंगे।'

वंदना सहगल, डीन, वास्तु कला संकाय, एकेटीयू लखनऊ

वाराणसी में पिएम मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जो कार्य वाराणसी में हुए हैं, वह ऐतिहासिक है। उससे व्यापक बदलाव आया है। इसे वास्तुशिल्पियों और छात्रों को दिखाया जा रहा है। पर्यटन के साथ भविष्य में कैसे काम करना है उसकी रूपरेखा बने, लोगों को वाराणसी की संस्कृति से रूबरू कराएं। ऐसे कार्यक्रम हर साल हों। पुराने शहर के संस्कृति और सभ्यता को जोड़ते हुए कैसा प्लेटफार्म बनाया जाए। आज इसी कैरेज का पहला कदम बढ़ाया गया है। देश में इतिहास व परंपरा को टेक्नोलॉजी से जोड़कर विकास की राह मजबूत की जा रही है। पहले प्लानिंग इंजीनियर लेवल पर होती थी। अब टाउन प्लानर और अर्बन प्लानर इस भूमिका को निभा पाएंगे। ऐसी व्यवस्था राज्य सरकार ने की है।'

अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा

AKTU की डीन डॉ. वन्दना सहगल से खास बात
ZEE
वाराणसी
भारत सरकार के प्रमुख सचिव हुए शामिल
लखनऊ
बीजेपी 2017 का प्रदर्शन यूपी में दोहराएगी- केशव मौर्य
सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, संगठन मंत्री सुनील
Monday

`

AKTU की डीन डॉ. वन्दना सहगल से खास बात
वाराणसी
भारत सरकार के प्रमुख सचिव हुए शामिल
नैनीताल
कोविड, ओमिक्रॉन के चलते चुनाव पर रोक की मांग
यात्रा का समापन होगा, विजय संकल्प यात्रा के समापन में रक्षामंत्री

AKTU की डीन डॉ. वन्दना सहगल से खास बात
ZEE UPUK.COM
वाराणसी
भारत सरकार के प्रमुख सचिव हुए शामिल
लखनऊ
सीट का चयन पार्टी करेगी- केशव प्रसाद मौर्य
ई, बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा
22:12

'काशीसार-आर्किटेक्ट्स' मीट का आयोजन
ZEE उत्तर प्रदेश
वाराणसी
सांस्कृतिक और ऐतिहासिक शहरों की कायाकल्प पर हुई चर्चा
नैनीताल
राजनीतिक दलों की रैलियां वर्चुअल कराने की भी मांग
संकल्प यात्रा के समापन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आएंगे, मुख्यमंत्र
Monday

'Kashi revamp shows govt's will for holistic devpt of cities'

https://timesofindia.indiatimes.com/city/varanasi/kashi-revamp-shows-govts-will-for-holistic-devpt-of-cities/articleshow/88676716.cms

THE TIMES OF INDIA

'Kashi revamp shows govt's will for holistic devpt of cities'

Varanasi: Minister of state (independent charge) for tourism and religious affairs Neelkanth Tiwari has termed the work for rejuvenation of ancient old Kashi "a symbol of determination of government for the holistic development of historical cities of the country".

Addressing the inaugural session of the two-day architects' meet organised by the UP government in association with the faculty of architecture and planning, Dr APJ Abdul Kalam Technical University, at Swatantrata Bhawan of Banaras Hindu University on Monday, Tiwari said, "Under the guidance of Prime Minister Narendra Modi, Chief Minister Yogi Adityanath showed how a city like Kashi can be rejuvenated without disturbing its soul and spirituality."

He called upon the architects and architectural students from across India.

Earlier, AKTU vice-chancellor Prof Vinit Bansal stressed the need of linking the scientific approach with the works done at the grassroots level.

Principal secretary (technical education) Amrit Abhijatya highlighted the vision of the state government for rejuvenation of historical cities of state and mentioned how the ideas of stakeholders are being included in future plans of development.

An exhibition on architecture of Kashi Vishwanath Dham and Ayodhya was also started as a part of the event. AKTU's Dr Vandana Sahgal displayed her paintings on historical cities.

Agenda for the next day includes visit to Kashi Vishwanath Dham and Sarnath by the delegates and students to study the Kashi model of development, which can help in holistic development of historical cities.

kashi: ‘kashi Revamp Exhibits Govt’s Will For Holistic Devpt Of Cities’

https://www.thetimesoftruth.com/kashi-kashi-revamp-exhibits-govts-will-for-holistic-devpt-of-cities-varanasi-information/

The Times of Truth

kashi: ‘kashi Revamp Exhibits Govt’s Will For Holistic Devpt Of Cities’ | Varanasi Information

Varanasi: Minister of state (impartial cost) for tourism and non secular affairs Neelkanth Tiwari has termed the work for rejuvenation of historical outdated Kashi “a logo of willpower of presidency for the holistic improvement of historic cities of the nation”. Addressing the inaugural session of the two-day architects’ meet organised by the UP authorities in affiliation with the school of structure and planning, Dr APJ Abdul Kalam Technical College, at Swatantrata Bhawan of Banaras Hindu College on Monday, Tiwari stated, “Beneath the steering of Prime Minister Narendra Modi, Chief Minister Yogi Adityanath confirmed how a metropolis like Kashi will be rejuvenated with out disturbing its soul and spirituality.”

He known as upon the architects and architectural college students from throughout India.

Earlier, AKTU vice-chancellor Prof Vinit Bansal pressured the necessity of linking the scientific strategy with the works executed on the grassroots degree.
Principal secretary (technical schooling) Amrit Abhijatya highlighted the imaginative and prescient of the state authorities for rejuvenation of historic cities of state and talked about how the concepts of stakeholders are being included in future plans of improvement.

An exhibition on structure of Kashi Vishwanath Dham and Ayodhya was additionally began as part of the occasion. AKTU’s Dr Vandana Sahgal displayed her work on historic cities.

Agenda for the subsequent day contains go to to Kashi Vishwanath Dham and Sarnath by the delegates and college students to review the Kashi mannequin of improvement, which may also help in holistic improvement of historic cities.

काशीसार-आर्किटेक्ट्स मीट : ऐतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर हुई चर्चा, हिस्ट्री और ट्रेडिशन को टेक्नोलॉजी से जोड़कर डेवलपमेंट पर दिया गया जोर

https://livevns.news/varanasi/kasisar-architects-meet-discussion-on-rejuvenation-of-histo/cid6164473.htm

live VNS

काशीसार-आर्किटेक्ट्स मीट : ऐतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर हुई चर्चा, हिस्ट्री और ट्रेडिशन को टेक्नोलॉजी से जोड़कर डेवलपमेंट पर दिया गया जोर

वाराणसी। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में सोमवार को "काशीसार - आर्किटेक्ट्स मीट" आयोजित हुई। कार्यक्रम में देश भर से आए आर्किटेक्ट्स जुटे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने काशी के पुरातन इतिहास का जिक्र करते हए इसकी प्राचीनता के बारे में चर्चा की।

कुलपति एकेटीयू प्रोफेसर विनीत कंसल ने वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने की चर्चा की। उन्होंने कहा कि एकेटीयू से संबद्ध 750 विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरु सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि बनारस में जो विकास कार्य हुए हैं इससे काफी बड़ा बदलाव आया है। हम चाहते हैं आर्किटेक्ट्स को ये स्क्रपचर्स दिखाए जाए, ताकि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा किया जाए। हमारी ये कोशिश रहेगी कि हर साल या दो साल पर ऐसे मीट्स हो, जिसमें आर्किटेक्ट्स को जोड़ा जाए। हमारे देश के हिस्ट्री और ट्रेडिशन को टेक्नोलॉजी से जोड़कर डेवलप किया जाए इस पर चर्चा हुई।

`

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

https://cmgtimes.com/navnirman-of-kashi-is-a-symbol-of-commitment-towards-holistic-development-of-historic-cities-neelkanth-tiwari.html

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में हुई परिचर्चा

वाराणसी : ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में परिचर्चा हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

> ***श्री काशी विश्वनाथ धाम के वास्तुशिल्प और छात्रों द्वारा अयोध्या के अध्ययन के वास्तुशिल्प की भी प्रदर्शनी लगाई गई***

एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर विनीत कंसल ने अपने स्वागत उद्बोधन में वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरुओं की सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं। प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को समाहित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना भी साझा की। एकेटीयू लखनऊ के वास्तु कला संकाय की डीन डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों के ऊपर बनाए अपने रंगचित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने पंचकोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है।

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

https://m.dailyhunt.in/news/india/hindi/samar+saleel-epaper-samarsal/kashi+ka+navanirman+aitihasik+shaharo+ke+samagr+vikas+ke+prati+pratibaddhata+ka+pratikah+nilakanth+tivari-newsid-n347130212?s=a&uu=0x424719c93fa1bceb&ss=wsp

dailyhunt

समर सलिल

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

वाराणसी। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में परिचर्चा हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता के बारे में चर्चा की।
उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।
एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर विनीत कंसल ने अपने स्वागत उद्बोधन में वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरुओं की सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं।
प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को समाहित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना भी साझा की।
एकेटीयू लखनऊ के वास्तु कला संकाय की डीन डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों के ऊपर बनाए अपने रंगचित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने पंचकोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है।

मध्य भारत विज्ञान भारती के अध्यक्ष डा. अमोघ गुप्ता ने कहा कि ज्ञान को जनहित के लिए लिपिबद्ध करके जनसुलभ करने पर वह विज्ञान हो जाता है। वैज्ञानिकों के लिए एक संग्रहालय उज्जैन में बनाने की योजना चल रही है, जो शायद देश में पहला होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा जितिन प्रसाद ने दूरस्थ माध्यम से अपनी शुभकामनाएं भेंजी। विशेष सचिव, प्राविधिक शिक्षा सुनील चौधरी ने एकेटीयू एवं आईआईटी बीएचयू को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर श्री काशी विश्वनाथ धाम के वास्तुशिल्प और छात्रों द्वारा अयोध्या के अध्ययन के वास्तुशिल्प की भी प्रदर्शनी लगाई गई है।
देश के कोने कोने से वास्तुविद् और छात्र व अन्य बुद्धिजीवी आए हैं। काउंसिल आफ आर्किटेक्चर के सदस्य हैं. इस दौरान शहरों के वास्तविक और अमूर्त परंपराओं धरोहरों पर चर्चा होगी। शहरों में भीड़ हो गई है, जीवनशैली में बदलाव होंगे। पुराने शहरों को आधुनिक करने की जरूरत है। सरकार ने काफी सहयोग किया है और ये अच्छी पहल है। सम्मेलन में देश के विभिन्न शहरों के वास्तुशिल्प के बारे में चर्चा होगी। इसमें धरोहरों के बारे में बात होगी। धर्मिक और सांस्कृतिक और परंपराओं के बारे में हर शहर कुछ कहता है। शहर के मूल स्वरूप को कायम रखते हुए विकास कैसे हो, इस पर चर्चा हो रही है। सम्मेलन में शहरों के वास्तुशिल्प के बारे में चर्चा होगी। काशी की धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यताओं को जानने व समझने के लिए काशी में कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम में शामिल सभी वास्तुविद, छात्र व बुद्धिजीवी श्री काशी विश्वनाथ धाम दर्शन के बाद वहां की वास्तुशिल्प को देखेंगे व समझेंगे।- वंदना सहगल डीन, वास्तु कला संकाय एकेटीयू लखनऊ

वाराणसी में पीएम के नेतृत्व में एतिहासिक काम हुआ है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जो कार्य वाराणसी में हुए हैं, उससे व्यापक बदलाव आया है। इसे वास्तुशिल्पियों और छात्रों को दिखाया जा रहा है। परंपरा के साथ भविष्य में कैसे काम करना है उसकी रूपरेखा बने, लोगों को वाराणसी की संस्कृति से रूबरू कराएं, ऐसे कार्यक्रम हर साल हों, पुराने शहर के संस्कृति और सभ्यता को जोड़ते हुए बढ़िया प्लेटफार्म बनाया जाए, आज इसी सीरीज का पहला कदम बढ़ाया गया है। देश में इतिहास व परंपरा को टेक्नोलॉजी से जोड़कर विकास की राह मजबूत की जा रही है। पहले प्लानिंग इंजीनियर लेबल पर होती थी। अब टाउन प्लानर और अर्बन प्लानर इस भूमिका को निभा पाएंगे। ऐसी व्यवस्था भारत सरकार ने की है। - अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

https://samarsaleel.com/tag/%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B6%E0%A5%80-%E0%A4%95%E0%A4%BE-%E0%A4%A8%E0%A4%B5%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%BE%E0%A4%A3-%E0%A4%90%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B8

समर सलिल
www.samarsaleel.com

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

वाराणसी। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में परिचर्चा हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर विनीत कंसल ने अपने स्वागत उद्बोधन में वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरुओं की सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं।

प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को समाहित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना भी साझा की।
एकेटीयू लखनऊ के वास्तु कला संकाय की डीन डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों के ऊपर बनाए अपने रंगचित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने पंचकोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है।

मध्य भारत विज्ञान भारती के अध्यक्ष डा. अमोघ गुप्ता ने कहा कि ज्ञान को जनहित के लिए लिपिबद्ध करके जनसुलभ करने पर वह विज्ञान हो जाता है। वैज्ञानिकों के लिए एक संग्रहालय उज्जैन में बनाने की योजना चल रही है, जो शायद देश में पहला होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा जितिन प्रसाद ने दूरस्थ माध्यम से अपनी शुभकामनाएं भेंजी। विशेष सचिव, प्राविधिक शिक्षा सुनील चौधरी ने एकेटीयू एवं आईआईटी बीएचयू को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर श्री काशी विश्वनाथ धाम के वास्तुशिल्प और छात्रों द्वारा अयोध्या के अध्ययन के वास्तुशिल्प की भी प्रदर्शनी लगाई गई है।

> ***देश के कोने कोने से वास्तुविद् और छात्र व अन्य बुद्धिजीवी आए हैं। काउंसिल आफ आर्किटेक्चर के सदस्य हैं। इस दौरान शहरों के वास्तविक और अमूर्त परंपराओं धरोहरों पर चर्चा होगी। शहरों में भीड़ हो गई है, जीवनशैली में बदलाव होंगे। पुराने शहरों को आधुनिक करने की जरूरत है। सरकार ने काफी सहयोग किया है और ये अच्छी पहल है। सम्मेलन में देश के विभिन्न शहरों के वास्तुशिल्प के बारे में चर्चा होगी। इसमें धरोहरों के बारे में बात होगी। धर्मिक और सांस्कृतिक और परंपराओं के बारे में हर शहर कुछ कहता है। शहर के मूल स्वरूप को कायम रखते हुए विकास कैसे हो, इस पर चर्चा हो रही है। सम्मेलन में शहरों के वास्तुशिल्प के बारे में चर्चा होगी। काशी की धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यताओं को जानने व समझने के लिए काशी में कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम में शामिल सभी वास्तुविद, छात्र व बुद्धिजीवी श्री काशी विश्वनाथ धाम दर्शन के बाद वहां की वास्तुशिल्प को देखेंगे व समझेंगे।-*** *वंदना सहगल डीन, वास्तु कला संकाय एकेटीयू लखनऊ*

काशी सार वास्तुकार समागम: राज्यों से आए काउंसिल आफ आर्किटेक्ट के सदस्य, समृद्ध परंपरा से अवगत हुए छात्र

https://www.jagran.com/uttar-pradesh/varanasi-city-kashi-saar-architect-samagam-members-of-the-council-of-architects-came-from-the-states-students-introduced-to-the-rich-tradition-22350372.html#:

जागरण

काशी सार वास्तुकार समागम: राज्यों से आए काउंसिल आफ आर्किटेक्ट के सदस्य, समृद्ध परंपरा से अवगत हुए छात्र

वाराणसी में प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद ने आनलाइन रहकर कार्यक्रम की सराहना की। इसमें काशी की समृद्ध परंपरा को संजोए और परिवर्तित होते विविध स्वरूपों पर आधारित आर्किटेक्ट डा. विमल पटेल के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई।

वाराणसी, जागरण संवाददाता। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के ऐतिहासिक लोकार्पण के अवसर पर प्रदेश सरकार की ओर से सोमवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में दो दिवसीय वास्तुकार समागम का शुभारंभ पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी ने किया। प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद ने आनलाइन रहकर कार्यक्रम की सराहना की। इसमें काशी की समृद्ध परंपरा को संजोए और परिवर्तित होते विविध स्वरूपों पर आधारित आर्किटेक्ट डा. विमल पटेल के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। डा. पटेल ने आनलाइन समागम में मौजूद वास्तुकला छात्र-छात्राओं को चित्रों की बारीकियां बताईं।

मुख्य समन्वयक वास्तुकला संकाय, एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ वंदना सहगल ने बताया कि कार्यक्रम में देश भर से वास्तुकार एवं वास्तुकला विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है। समागम का ध्येय काशी के नवनिर्माण को विशेषज्ञों एवं छात्रों के समक्ष प्रस्तुत करना है। बाकी जो शहर हैं उसके बारे में मंथन करना है। बताया कि देश के सभी कोनों से आर्किटेक्ट को बुलाया गया है, जिसकी मौजूदगी में काशी की प्राचीन परंपरा को बताया गया। काशी दुनिया भर में अपनी समृद्ध पहचान के लिए जानी जाती है। इस कार्यक्रम को यूट्यूब पर देश और दुनिया के लोगों ने भी देखा और सराहा। काशी में कैसे परिवर्तन हुआ है उसकी समूची जानकारी चित्रों में है। वंदना सहगल ने कहा कि युवा आर्किटेक्ट का भविष्य हमेशा उज्ज्वल रहता है। ये ऐसा विषय है जिसका हर दौर में मांग रहा है।

`

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

https://newslab24.in/latest-news/navnirman-of-kashi-is-a-symbol-of-commitment-towards-holistic-development-of-historic-cities-neelkanth-tiwari/

NewsLab24

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

वाराणसी: ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में परिचर्चा हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।
एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर विनीत कंसल ने अपने स्वागत उद्बोधन में वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरुओं की सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं।

प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को समाहित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना भी साझा की।
एकेटीयू लखनऊ के वास्तु कला संकाय की डीन डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों के ऊपर बनाए अपने रंगचित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने पंचकोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है।

मध्य भारत विज्ञान भारती के अध्यक्ष डा. अमोघ गुप्ता ने कहा कि ज्ञान को जनहित के लिए लिपिबद्ध करके जनसुलभ करने पर वह विज्ञान हो जाता है। वैज्ञानिकों के लिए एक संग्रहालय उज्जैन में बनाने की योजना चल रही है, जो शायद देश में पहला होगा।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा जितिन प्रसाद ने दूरस्थ माध्यम से अपनी शुभकामनाएं भेंजी। विशेष सचिव, प्राविधिक शिक्षा सुनील चौधरी ने एकेटीयू एवं आईआईटी बीएचयू को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।
इस मौके पर श्री काशी विश्वनाथ धाम के वास्तुशिल्प और छात्रों द्वारा अयोध्या के अध्ययन के वास्तुशिल्प की भी प्रदर्शनी लगाई गई है।

शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हुई परिचर्चा, CM योगी के काम को सराहा गया

https://hindi.asianetnews.com/uttar-pradesh/discussion-took-place-in-banaras-hindu-university-on-navnirman-in-cities-cm-yogi-work-was-appreciated-r551vb

asianet news हिन्दी

शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हुई परिचर्चा, CM योगी के काम को सराहा गया

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

वाराणसी: ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में परिचर्चा हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर विनीत कंसल ने अपने स्वागत उद्बोधन में वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरुओं की सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं। प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को समाहित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना भी साझा की।

एकेटीयू लखनऊ के वास्तु कला संकाय की डीन डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों के ऊपर बनाए अपने रंगचित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने पंचकोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है। मध्य भारत विज्ञान भारती के अध्यक्ष डा. अमोघ गुप्ता ने कहा कि ज्ञान को जनहित के लिए लिपिबद्ध करके जनसुलभ करने पर वह विज्ञान हो जाता है। वैज्ञानिकों के लिए एक संग्रहालय उज्जैन में बनाने की योजना चल रही है, जो शायद देश में पहला होगा।

शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हुई परिचर्चा, CM योगी के काम को सराहा गया

https://m.dailyhunt.in/news/india/hindi/asianet+news+hindi-epaper-asnethin/shaharo+me+navanirman+par+banaras+hindu+vishvavidyalay+me+hui+paricharcha+cm+yogi+ke+kam+ko+saraha+gaya-newsid-n347098254?s=a&uu=0x424719c93fa1bceb&ss=wsp

dailyhunt

Asianet news हिंदी

शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हुई परिचर्चा, CM योगी के काम को सराहा गया

वाराणसी: ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में परिचर्चा हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर विनीत कंसल ने अपने स्वागत उद्बोधन में वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरुओं की सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं। प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को समाहित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना भी साझा की।

एकेटीयू लखनऊ के वास्तु कला संकाय की डीन डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों के ऊपर बनाए अपने रंगचित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने पंचकोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है। मध्य भारत विज्ञान भारती के अध्यक्ष डा. अमोघ गुप्ता ने कहा कि ज्ञान को जनहित के लिए लिपिबद्ध करके जनसुलभ करने पर वह विज्ञान हो जाता है। वैज्ञानिकों के लिए एक संग्रहालय उज्जैन में बनाने की योजना चल रही है, जो शायद देश में पहला होगा।

`

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

https://edgeexpress.in/65550/

एज एक्सप्रेस
www.EdgeExpress.in

काशी का नवनिर्माण ऐतिहासिक शहरों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः नीलकंठ तिवारी

वाराणसी। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों में नवनिर्माण पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में परिचर्चा हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने काशी की प्राचीनता के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नवनिर्माण के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वह उनकी और प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत वाले शहरों के उचित एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर विनीत कंसल ने अपने स्वागत उद्बोधन में वैज्ञानिक सोच को धरातल पर होने वाले कार्य से जोड़ने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम एकेटीयू से संबद्ध 750 कालेजों में पढ़ने वाले छात्र एवं उनके गुरुओं की सोच को व्यवहारिक धरातल से जोड़ने के लिए कटिबद्ध हैं।

प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने ऐतिहासिक शहरों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऐतिहासिक शहरों के समस्त हितधारकों के विचारों को समाहित करने के लिए भविष्य में इस तरह के समागम करने की योजना भी साझा की। एकेटीयू लखनऊ के वास्तु कला संकाय की डीन डॉ. वंदना सहगल ने विभिन्न ऐतिहासिक शहरों के ऊपर बनाए अपने रंगचित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने पंचकोसी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वाराणसी में मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के धरोहर हैं। इनका सचेत अनुभव केवल वाराणसी में आकर ही हो सकता है।

काशीसार-आर्कीटेक्ट्स मीट होगा बनारस में

https://tarunmitra.in/kasisar-architects-meet-to-be-held-in-banaras/522164

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
धर्म ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार

काशीसार-आर्कीटेक्ट्स मीट होगा बनारस में

03 और 04 जनवरी को "काशीसार- आर्कीटेक्ट्स मीट" में शामिल होंगे भारत सरकार के प्रमुख सचिव और कई बड़े अधिकारी

बैठक को डिजिटल रूप से सम्बोधित करेंगे उत्तर प्रदेश सरकार तकनीकी शिक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद

यूपी के सांस्कृतिक और एतिहासिक शहरों के कायाकल्प पर काशी नगरी में एक अनूठा आयोजन होने जा रहा है।3 और 4 जनवरी को यहां "काशीसार- आर्कीटेक्ट्स मीट" आयोजित किया गया है। कार्यक्रम को देश भर से जुटे आर्कीटेक्ट्स खास बनाएंगे। यह आयोजन शहरों के कायाकल्प से संवरते यूपी को दुनिया भर में नई पहचान दिलाएगा।

दो दिवसीय आयोजन की मेजबानी डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय की आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग फैकल्टी करेगी। आयोजन के दौरान देश भर के वास्तुकारों और वास्तु छात्रों के सामने काशी में किये गये कायाकल्प को दिखाया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार तकनीकी शिक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद रहेंगे और सत्र का शुभारंभ डिजिटल रूप से अपने सम्बोधन से करेंगे। बैठक के विशिष्ट अतिथियों में राज्य पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी, भारत सरकार के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात, वाराणसी के मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। स्वागत भाषण डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति विनीत कंसल करेंगे । मुख्य भाषण काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर के अध्यक्ष आर्कीटेक्ट हबीब खान और एकेटीयू की आर्किटेक्चर फैकल्टी की डीन डॉ. वन्दना सहगल देंगी। आर्कीटेक्ट कमलेश मेहता इस प्रदर्शनी की पूरी जानकारी देंगे। इस खास मौके पर आर्कीटेक्ट प्रो. के. टी. रवींद्रन, जे एम कार्तिकर, प्रो राणा, श्रीमती अल्का पांडे, डॉ पुष्पेश पंत बदलते वाराणसी के परिवेश पर अपनी बात रखेंगे।